



# Atishay Jain

15 Oct 2016

02:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121195902

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 15/10/2016  
दिन \_\_\_\_\_: शनिवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 14:00:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 19:04:20 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Delhi  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:39:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:13:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:21:08 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 13:38:52 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:14:17 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 15:16:05 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:22:15 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 17:51:09 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 11:28:53 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शरद  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 28:19:34 कन्या  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 11:51:00 मकर

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: मकर - शनि  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मीन - गुरु  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: उ०भाद्रपद - 4  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: शनि  
योग \_\_\_\_\_: व्याघात  
करण \_\_\_\_\_: विष्टि  
गण \_\_\_\_\_: मनुष्य  
योनि \_\_\_\_\_: गौ  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: विप्र  
वश्य \_\_\_\_\_: जलचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: सिंह  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: जल  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: ज--  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: ताम्र - लौह  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: तुला

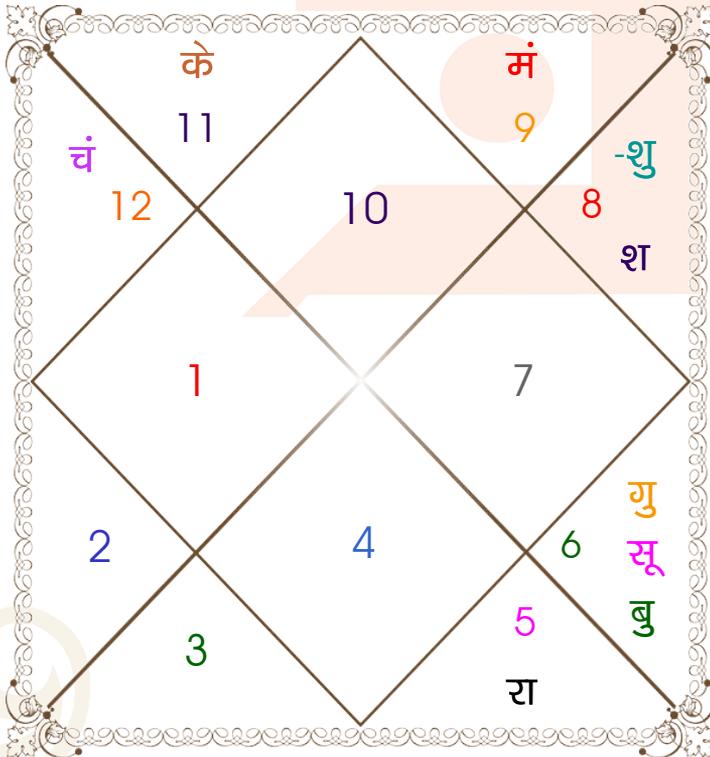
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	11:51:00	415:10:53	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
सूर्य			कन्या	28:19:34	00:59:28	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			मीन	16:39:31	14:58:13	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
मंगल			धनु	18:05:17	00:41:44	पूर्वाषाढा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
बुध	अ		कन्या	19:37:55	01:44:15	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
गुरु			कन्या	13:37:47	00:12:46	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	02:21:04	01:12:44	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
शनि			वृश्चि	18:41:19	00:05:20	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	18:05:09	00:03:40	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	18:05:09	00:03:40	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		मीन	28:25:17	00:02:27	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	---
नेप	व		कुंभ	15:29:49	00:01:06	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	20:55:35	00:00:34	पूर्वाषाढा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
दशम भाव			तुला	27:21:38	--	विशाखा	--	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	--

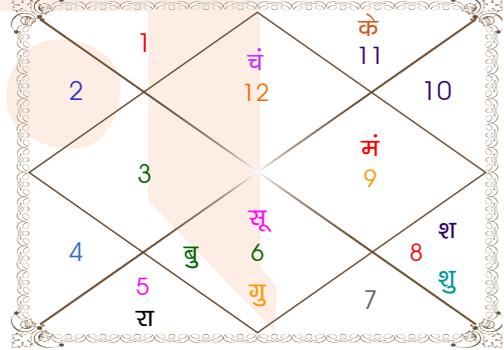
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:23

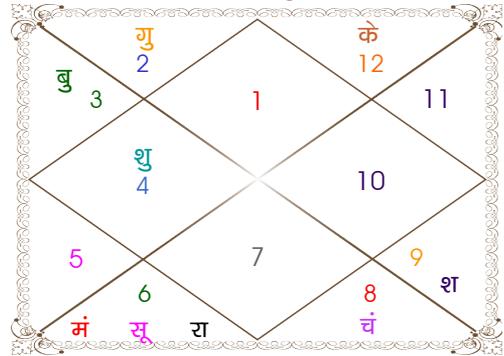
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

**भोग्य दशा काल : शनि 0 वर्ष 0 मास 4 दिन**

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
15/10/2016	19/10/2016	20/10/2033	19/10/2040	19/10/2060
19/10/2016	20/10/2033	19/10/2040	19/10/2060	20/10/2066
00/00/0000	बुध 18/03/2019	केतु 18/03/2034	शुक्र 19/02/2044	सूर्य 06/02/2061
00/00/0000	केतु 14/03/2020	शुक्र 18/05/2035	सूर्य 18/02/2045	चंद्र 07/08/2061
00/00/0000	शुक्र 13/01/2023	सूर्य 23/09/2035	चंद्र 20/10/2046	मंगल 13/12/2061
00/00/0000	सूर्य 19/11/2023	चंद्र 23/04/2036	मंगल 20/12/2047	राहु 07/11/2062
00/00/0000	चंद्र 20/04/2025	मंगल 19/09/2036	राहु 20/12/2050	गुरु 26/08/2063
00/00/0000	मंगल 17/04/2026	राहु 07/10/2037	गुरु 20/08/2053	शनि 07/08/2064
00/00/0000	राहु 03/11/2028	गुरु 13/09/2038	शनि 19/10/2056	बुध 14/06/2065
15/10/2016	गुरु 09/02/2031	शनि 23/10/2039	बुध 20/08/2059	केतु 20/10/2065
गुरु 19/10/2016	शनि 20/10/2033	बुध 19/10/2040	केतु 19/10/2060	शुक्र 20/10/2066

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
20/10/2066	19/10/2076	20/10/2083	21/10/2101	21/10/2117
19/10/2076	20/10/2083	21/10/2101	21/10/2117	16/10/2136
चंद्र 20/08/2067	मंगल 17/03/2077	राहु 02/07/2086	गुरु 09/12/2103	शनि 23/10/2120
मंगल 20/03/2068	राहु 05/04/2078	गुरु 25/11/2088	शनि 21/06/2106	बुध 03/07/2123
राहु 19/09/2069	गुरु 12/03/2079	शनि 02/10/2091	बुध 26/09/2108	केतु 11/08/2124
गुरु 19/01/2071	शनि 20/04/2080	बुध 20/04/2094	केतु 02/09/2109	शुक्र 12/10/2127
शनि 19/08/2072	बुध 17/04/2081	केतु 09/05/2095	शुक्र 03/05/2112	सूर्य 23/09/2128
बुध 19/01/2074	केतु 13/09/2081	शुक्र 08/05/2098	सूर्य 19/02/2113	चंद्र 24/04/2130
केतु 20/08/2074	शुक्र 13/11/2082	सूर्य 02/04/2099	चंद्र 21/06/2114	मंगल 03/06/2131
शुक्र 20/04/2076	सूर्य 21/03/2083	चंद्र 02/10/2100	मंगल 28/05/2115	राहु 09/04/2134
सूर्य 19/10/2076	चंद्र 20/10/2083	मंगल 21/10/2101	राहु 21/10/2117	गुरु 16/10/2136

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 0 वर्ष 0 मा 4 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म प्रभाव से अनुकूल संकेत यह प्राप्त हो रहा है कि आप अपने जीवन में प्रसिद्धि प्राप्त कर अपने नाम को उजागर करेंगे। क्योंकि आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के प्रथम चरण में मकर लग्न में उस समय हुआ, जिसमें मेदिनीय क्षितिज पर लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं वृषभ राशि का द्रेष्काण लग्न के साथ ही उदित हुआ था। मकर राशीय आकृति से यह भी स्पष्ट हो रहा है कि आप हर दशा में धन संचित कर सुखद आनंददायक पारिवारिक जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपके साथ सुंदर एवं समझदार पत्नी एवं अच्छे पुत्रादि के संयोजन का प्रभाव परिलक्षित हो रहा है।

आपके जीवन का अत्यंत अनुकूल समय आपकी आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष का समय रहेगा। इस अवधि में आप बहुत सफलता प्राप्त कर, धनी व्यक्ति बन जाएंगे। आप इस अवधि में समय का सदुपयोग कर के आपके लिए पर्याप्त धन एकत्र करने का सुंदर समय रहेगा। इसलिए आप कोई किसी प्रकार के आभाव के प्रति चिंतित न हो। क्योंकि आपके पास इतना धन हो जाएगा कि आपका संपूर्ण जीवन विस्तार पूर्वक व्यतीत होगा।

आप एक उत्तम मेधावी एवं शक्ति संपन्न प्राणी होंगे। आप अपनी सफलता हेतु किसी भी प्रकार के साहसिक कार्य को संपादन करने हेतु सक्षम हैं। आपके लिए व्यवसायों में आपके गुण के अनुसार भूमि से संबंधित कार्य अति अनुकूल होंगे। यथा खनिज, कोयला (खुदाई) खनन का कार्य, कृषि कार्य, तेल एवं पेट्रोल का कार्य, लाभदायक होगा। यदि आप अपनी बुद्धि को असंतुलित कर ले तो अपने स्तर में विकास कर विशिष्टता प्राप्त कर सकते हैं तथा आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति विश्वसनीयता पूर्वक कर सकते हैं। आप सर्वथा गायन कला, गणितीय कार्य एवं ज्योतिषीय कार्य में जिसमें आपकी अभिरुचि हो उसकी कार्य में सफल होंगे।

आप धार्मिक भावना के आस्तिक प्राणी हैं। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आपकी इच्छा धर्म दर्शन की अधिक से अधिक शिक्षा ग्रहण करने की रहेगी एवं पराविद्या के प्रति रुचिवान रहेंगे। आप उदार प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आप किसी भी परिस्थिति में धार्मिक अथवा समाज सेवी संस्था को अनुदान प्रदान करने में कभी भी नहीं हिचकेंगे। यह वास्तविकता है कि आप अपने मन की ऊंची लहर को वृद्धावस्था में पूर्ण कर के समाज में सेवा का कार्य करेंगे।

आपके उत्तम आचरण के कारण आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं मनोहर रहेगा। परंतु कतिपय अतिरिक्त रोगादि का प्रभाव कुछ समय के लिए प्रभावित कर सकता है। आपकी पाचन शक्ति कमजोर है। आपको कफ, सर्दी, जुकाम अथवा शारीरिक चर्म रोगादि भी प्रभावित कर सकता है। आपको इन रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। आपको सर्वदा अपने शारीरिक कार्य-कलाप के प्रति पैनी दृष्टि रखनी चाहिए। आप आंशिक रूप से शारीरिक जख्म के कारण अधोगामी हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन लाभकारी है। परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन प्रतिकूल है।

आपके लिए अंकों में अंक 6, 8 एवं 9 अंक सर्वदा अनुकूल है, परंतु स्पष्ट रूपेण 3 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए पीला एवं क्रीम रंग त्यागनीय है। जबकि रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग अनुकूल एवं साहस प्रदायक है।

